भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1155
01/08/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

लू के कारण मृत्यु

1155. श्री हरीस बीरन:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इस वर्ष देश के विभिन्न भागों में चली लू में कितनी मौतें हुई हैं;
(ख) सरकार द्वारा श्रमिकों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;
(ग) क्या विभिन्न वेधशालाओं में मौसम मानचित्रण में कोई विसंगतियां पाई गई हैं; और
(घ) क्या भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बादल फटने, अत्यधिक गर्मी और ठंड जैसी गंभीर मौसम की घटनाओं की भविष्याणी करने के लिए नई तकनीकों का उपयोग करने के लिए कोई कदम उठाए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB), गृह मंत्रालय MHA) के अनुसार अद्यतन विवरण अनुलग्नक-1 में दिए गए हैं।

(ख) भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) और स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से देश के कई हिस्सों में हीट एक्शन प्लान शुरू किया है, ताकि लू के बारे में पहले से चेतावनी दी जा सके और ऐसे अवसर पर की जाने वाली कार्रवाई की सलाह भी दी जा सके।

लू की स्थिति से ग्रस्त 23 राज्यों में हीट एक्शन प्लान (HAP) को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य सरकारों के सहयोग से तत्काल और साथ ही दीर्घकालिक कार्रवाई के लिए लागू किया गया है, ताकि मजदूरों सहित कमजोर आबादी पर अत्यधिक गर्मी से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए तैयारी, सूचना-साझाकरण और प्रतिक्रिया समन्वय को बढ़ाया जा सके।

(ग) जी नहीं।

(घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग ने निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों में सुधार के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिससे लू और शीत लहरों सहित चरम मौसम की घटनाओं के दौरान जान-माल के नुकसान को कम करने में मदद मिली है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

i. ऋतुनिष्ठ और मासिक पूर्वानुमान जारी करना, उसके बाद तापमान और लू की स्थिति के विस्तारित-अवधि पूर्वानुमान जारी करना। समय पर सार्वजनिक पहुंच के लिए विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से प्रारंभिक चेतावनी और पूर्वानुमान की जानकारी भी प्रसारित की जाती है।
ii. राज्य सरकार के अधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों की योजना बनाने में मदद करने के लिए भारत में जिलावार लू सुभेद्यता एटलस।
iii. भारत भर में गर्म मौसम के जोखिम का विश्लेषण मानचित्र जिसमें दैनिक तापमान, पवन और आर्द्रता की स्थिति शामिल है।
iv. लू की स्थिति से ग्रस्त 23 राज्यों में हीट एक्शन प्लान (HAP) का राज्य सरकारों के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा संयुक्त रूप से कार्यांवयन।

बादल फटने का पूर्वानुमान करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसका मुख्य कारण छोटे क्षेत्र, कम अवधि और अचानक आने वाले गर्ज के साथ तूफान हैं तथा साथ ही भारत जैसे उष्णदेशीय क्षेत्रों में इससे जुड़ी वायुमंडलीय प्रक्रियाओं की जटिलता भी है। इस कारण से, दुनिया भर में बादल फटने का पूर्वानुमान नहीं किया जा सकता है ।

अनुलग्नक -1

वर्ष 2013-2022 के दौरान लू / सन स्ट्रोक के कारण होने वाली मौतों का राज्य / संघ राज्य क्षेत्र वार विवरण:

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022
1	आंध्र प्रदेश	418	244	654	312	231	97	128	50	22	47
2	अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
3	असम	5	0	0	6	0	0	3	0	0	1
4	बिहार	85	131	86	85	84	64	215	53	57	78
5	छत्तीसगढ़	3	4	2	9	11	1	16	3	2	11
6	गोवा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	गुजरात	26	45	52	32	25	31	27	12	8	5
8	हरियाणा	82	79	34	76	24	56	46	23	14	27
9	हिमाचल प्रदेश	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0
10	झारखंड	42	50	96	45	51	42	88	23	33	47
11	कर्नाटक	6	2	0	17	0	0	4	1	0	2
12	केरल	1	0	1	4	1	1	3	0	0	0
13	मध्य प्रदेश	12	33	24	26	34	15	33	7	2	27
14	महाराष्ट्र	80	58	61	96	102	128	159	56	37	90
15	मणिपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
16	मेघालय	0	2	0	0	0	4	0	0	0	0
17	मिजोरम	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0
18	नगालैंड	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
19	ओडिशा	101	78	60	81	99	40	84	13	15	38
20	पंजाब	144	123	99	145	60	38	90	110	91	130
21	राजस्थान	40	45	41	51	35	43	54	23	1	12
22	सिक्किम	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0
23	तमिलनाडु	0	0	0	1	0	0	0	0	2	2
24	तेलंगाना #	-	128	182	216	180	107	156	98	43	62
25	त्रिपुरा	12	2	0	2	0	1	1	2	0	2
26	उत्तर प्रदेश	108	126	487	114	142	176	117	50	35	130
27	उत्तराखण्ड	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
28	पश्चिम बंगाल	45	88	28	18	48	46	49	6	11	18
	कुल राज्य	**1211**	**1239**	**1907**	**1336**	**1127**	**890**	**1274**	**530**	**374**	**729**
29	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
30	चंडीगढ़	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
31	दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव @ +	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
32	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र	2	9	0	1	0	0	0	0	0	1

33	जम्मू एवं कश्मीर @ *	3	0	1	1	0	0	0	0	0	0
34	लद्दाख @	-	-	-	-	-	-	-	0	0	0
35	लक्षद्वीप	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
36	पुडुचेरी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
	कुल संघ राज्य क्षेत्र	**5**	**9**	**1**	**2**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**
	कुल (समस्त भारत)	**1216**	**1248**	**1908**	**1338**	**1127**	**890**	**1274**	**530**	**374**	**730**

राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों के अनुसार

'+' वर्ष 2013-2019 के दौरान भूतपूर्व दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव संघ राज्य क्षेत्र के संयुक्त आंकड़े

'*' वर्ष 2013-2019 के दौरान लद्दाख समेत भूतपूर्व जम्मू एवं कश्मीर राज्य का आंकड़ा

'#' 2014 के दौरान नव सृजित राज्यों का आंकड़ा

'@' 2020 के दौरान नव सृजित संघ राज्य क्षेत्र का आंकड़ा

स्रोत: राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB), गृह मंत्रालय (MHA)

****